E -100 Marks
Batch – 2020-21 / 2021-22/2022-23

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम्. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

परीक्षा : मई – २०२३

सत्र – १

विषय : आधुनिक गद्य : उपन्यास एवं कहानी (HDS - 101)

दि.: ३०/०५/२०२३ **कुल अंक : १००** **समय : प्रातः १०.०० से दो १.००**

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों केउत्तर लिखिए।

२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

प्र. १ 'विपात्र' शीर्षक की सार्थकता को स्पष्ट करते हुए, इस उपन्यास की कथावस्तु को संक्षेप में लिखिए ।

प्र. २ 'विपात्र' उपन्यास में मानव दर्द के साथ उसका अधूरापन एवं विसंगतियों का खुला चित्रण है– स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ३ 'विपात्र' उपन्यास की चरित्र–योजना का विवेचन कीजिए ।

प्र. ४ 'अकेली' कहानी की कथावस्तु को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ५ 'सुख' कहानी की विशेषताओं को स्पष्ट करते हुए, भोला बाबू के चरित्र पर प्रकाश डालिए ।

प्र. ६ 'अमरुद का पेड़' कहानी की विशेषताओं को स्पष्ट करते हुए, लिखिए कि लेखक की उस पेड़ के बारे में क्या भावनाएँ थीं ?

प्र. ७ गीता रहस्य के कर्मयोग शास्त्र के दर्शन को स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ८ कर्म के प्रकार एवं पंथों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ९ निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की स–संदर्भ व्याख्या कीजिए ।

१) मानसिक रुप से वह कॅलिफोर्निया या हॉवर्ड युनिव्हर्सिटीयों के इलाके में घूमता, अमेरिकन साहित्य में वह सचमुच रम चुका था ।

२) हर साल हजारों टुरिस्ट आते हैं, आर्ट गॅलरीज, म्युझियम्स, पुराने चर्च और कॅथड्रल ... वह वह सब कुछ जो बीत गया है, उन्हें आकर्षित करता है ।

३) न आकाश से पानी बरसता है, न जमीन से बीज फूटता है ।

४) धर्म से ही अर्थ और काम की प्राप्ति होती है, इस प्रकार के धर्म का आचरण तुम क्यों नहीं करते ?

प्र.१० निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।

१) भनावत

२) मृणालबाबू

३) 'नन्हों' कहानी का अंत

४) धर्म और अधर्म का निर्णय ।